

सुखदायक टि. 1. सुहावना, मनभावन 2. सहन के योग्य।

सुहेस वि. (तद्.) सुन्दर, अच्छा, भला।

सुहोता पुं. (तत्.) होत्र अर्थात् हवन कार्य में निपुण, अच्छा होता।

सुहोत्र पुं. (तत्.) 1. एक वैदिक ऋषि 2. एक बार्हस्पत्य का नाम 3. सहदेव का एक पुत्र 4. सुधन्वा का एक पुत्र 5. वितथ का एक पुत्र 6. एक दैत्य 7. एक वानर।

सुहय/सुहयक पुं. (तत्.) 1. गौड़ देश के पश्चिम में स्थित एक प्राचीन नाम- ताम्रलिप्ति (आधुनिक तामलूक) यहाँ की राजधानी थी 2. एक यवन जाति।

सूँ अव्य. (ब्रज.) ब्रजभाषा में 'से' का अर्थ देने वाला परसर्ग सों, से के रूप में प्रयुक्त जैसे- मिलौ स्याम सूँ।

सूँघना पुं. (तद्.) 1. किसी पदार्थ की गंध जानने के लिए उसे नाक के पास ले जाकर श्वास खींचकर अनुभव करने की प्रक्रिया, नाक से गंध ग्रहण करना 2. ला.अर्थ. नाम मात्र का या बहुत कम भोजन लेना मुहा. जमीन सूँघना- भूमि पर नाक के बल गिरना, हारना; साँप सूँघ जाना- एक दम चुप हो जाना, भयभीत हो जाना।

सूँघा पुं. (तद्.) 1. जो केवल सूँघ कर यह पता कर लेता है कि अमुक व्यक्ति या पदार्थ कहाँ गया है या अमुक स्थान पर वह पदार्थ है या नहीं 2. शिकारी कुत्ता जो केवल सूँघ कर शिकार की टोह लेता है 3. जासूस, भेदिया।

सूँड़ स्त्री. (तद्.) 1. हाथी की नाक जो बहुत लंबी होती है और हाथ की तरह कार्य भी करती है 2. कुछ जीवों का मुँह से आगे निकला छोटा अंग जो ढूँढ़ने या किसी चीज का पता करने में मदद करता है।

सूँडंड पुं. (तद्.) हाथी, सूँडाल।

सूँडहल वि. (तद्.) शूँडाल, सूँडवाला, हाथी।

सूँडा पुं. (देश.) बड़ी सूँड़।

सूँडी/सूँडी स्त्री. (तद्.) 1. पौधों आदि में पाया जाने वाला एक प्रकार का छोटा और लंबा कीड़ा जो पत्तों आदि को नुकसान पहुँचाता है 2. अनाजों में पलने वाला एक छोटा कीड़ा।

सूँस स्त्री. (देश.) शिंशुमार नामक एक लंबा और शक्तिशाली जलचर जिसके जबड़े में तीस दाँत होते हैं। dolphin

सूअर पुं. (तद्.) 1. सूअर, शूकर, लगभग बकरी के आकार का मांसल, चौपाया, स्तनपायी, शाकाहारी पालतू या जंगली पशु, कुछ लोग इसका पालन मांस खाने के लिए करते हैं 2. ला.अर्थ. नीच या नालायाक या मूर्ख व्यक्ति के लिए प्रयुक्त।।

सूआ पुं. (तद्.) 1. शुक, तोता नामक पक्षी 2. लंबी और मोटी सुई जिस से टाट, बोरे आदि सिले जाते हैं, सूजा।

सूई स्त्री. (तद्.) 1. सुई, कपड़े आदि सीलने में काम आने वाली लोहे आदि से बनी पतली नुकीली तार जैसी वस्तु जिसके दूसरे छोर पर धागा पिरोने के लिए एक छेद बना होता है 2. नुकीली या नोकदार वस्तु 3. छड़ी की सुई 4. इंजेक्शन लगाने की सुई 5. प्राचीन स्तूपों के चारों ओर पत्थर की चारदीवारी के हर दो खंभों के बीच लगे आड़े पत्थर।

सूईकारी स्त्री. (तद्.) 1. सुई में धागा पिरोकर कपड़े आदि में विभिन्न प्रकार के बेल-बूटे बनाने की कला, सिलाई, कढ़ाई 2. सूची शिल्प।

सूई-डोरा पुं. (तद्.) मालखंभ की एक कसरत।

सूक पुं. (तद्.) 1. शुक, तोता 2. शुक्र ग्रह, शुक्र तारा 3. दैत्य गुरु, शुक्राचार्य 4. बाण 5. वायु 6. कमल।

सूकना अ.क्रि. (तद्.) सूखना, जल-विहीन होना।

सूकरखेत पुं. (तद्.) शूकर क्षेत्र, उत्तर प्रदेश के एटा जिले में सोरों नामक एक स्थान जिसे